



# आखिरी सप्ताह

## 30 सितम्बर को फिर से 5% रेट बढ़ेगी

FIXED  
PRICENO MIDDLE-MEN  
DIRECT TO  
CUSTOMER

**KEDIA**  
**सेजस्थान**  
KOTHI & WALK-UP APARTMENT

— अजमेर रोड, जयपुर —

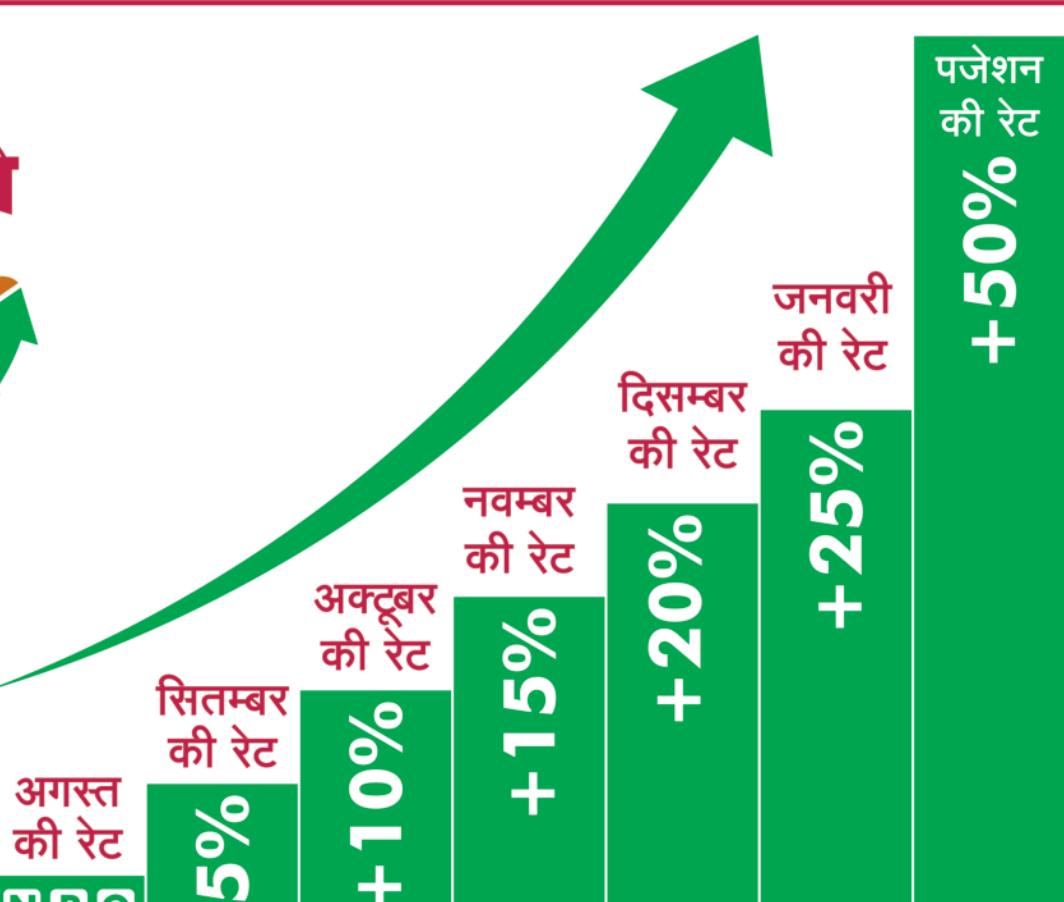
2 साइड ओपन कोठी और फ्लैट्स | 60 एमेनिटीज

**PROPOSED FIXED RATE & RENTAL**

पजेशन तक  
50% रेट बढ़ेगी

**1.5 गुना** 

बड़ी-बड़ी कोठी  
बड़े-बड़े फ्लैट


  
POSSESSION  
DEC. 2025

पजेशन के बाद रेटल
22,000
25,000
28,000
30,000
40,000
50,000

युनिट टाइप	साइज	NPO NEW PRODUCT OFFER	सितम्बर की रेट	+ 5%	+ 10%	+ 15%	+ 20%	+ 25%	+ 50%
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000



1800-120-2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH  
QR CODEDOWNLOAD  
BROCHURELOCATION  
QR CODEROUTE  
MAPROUTE  
MAPSITE TOUR  
360 DEGREE

\*T&amp;C Apply









PM  
GatiShakti  
National Master Plan for  
Multi-Modal Connectivity75  
आज्ञादी का  
अमृत महोत्सवG20  
भारत 2023 INDIA

## देशभर में एक साथ

## 9 वंदे भारत ट्रेनों की सौगात



## तेलंगाना को भी मिल रहा वंदे भारत का उपहार

हैदराबाद-बैंगलुरु  
वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन

का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

## लाभ

- इस रूट पर पहले से ही दौड़ रही तेज ट्रेनों से 150 मिनट अधिक तेज.
- हैदराबाद, महबूबनगर, कर्नूल, अनंतपुर, सत्य साई, बैंगलुरु और आस-पास के जिलों के लोगों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी.
- सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और पेशेवरों, व्यवसायियों, विद्यार्थियों और नियमित यात्रियों को लाभ.
- आईटी उद्योग के लिए व्यापार के अवसर बढ़ेंगे और तीन राज्यों तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के बीच आर्थिक संबंध मजबूत होंगे.



## नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

द्वारा

(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से)

रविवार, 24 सितंबर, 2023 को मध्याह्न 12.30 बजे काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन से

## वंदे भारत एक्सप्रेस की मुख्य विशेषताएँ

- 160 किमी. प्रतिघंटा की उच्चतम गति की स्वदेशी वंदे भारत ट्रेन
- प्रत्येक सीट के नीचे उपलब्ध चार्जिंग पॉइंट का बेहतर एक्सेस तथा पहले से अधिक द्वुकाव के साथ सीट को 360° तक घुमाने की सुविधा
- दिव्यांगजन अनुकूल शैचालय, सीट हैंडल और ब्रेल लिपि में सीट नंबर
- हवा को स्वच्छ रखने हेतु विशेष एंटीबैक्टीरियल यूवी लैंप, बेहतर वेंटिलेशन तथा एयरकंडीशनिंग से युक्त कोच
- कवच (टक्कर-रोधी प्रणाली) से लैस
- प्रत्येक कोच सीसीटीवी कैमरों व इन्फोटेनमेंट सुविधाओं से युक्त
- ऐरोसोल आधारित बेहतर अग्नीशमन सुरक्षा उपायों से युक्त

## टाइम टेबल - हैदराबाद-बैंगलुरु

केसीजी-वार्हीआर	स्टेशन	वार्हीआर-केसीजी
प्रस्थान 05:30	काचीगुड़ा	आगमन 23:15
06:49/06:50	महबूबनगर	21:34/21:35
08:24/08:25	कर्नूल सिटी	19:50/19:51
10:44/10:45	अनंतपुर	17:29/17:30
11:14/11:15	धर्मावर्म	16:59/17:00
आगमन 14:00	यशवंतपुर	प्रस्थान 14:45



# स्टार नेट आता बदलाव साफ दिखने लगा है

जमाना चुपके-चुपके लेकिन  
खूबसूरती से बदल रहा है।  
आजकल किसी भी मध्यम वर्ग के  
पिता से मिले तो वो कहते हुए  
सुनार्ह देते हैं, 'बीवी तो मान गई,  
अब बेटी को मनाना है!' बेटियां  
अब पापा को हर छोटी-बड़ी चीज  
में डिक्टेट कर रही हैं, पापा से  
डिमांड कर रही हैं। देशभर में  
जाने कितने समाजों में लड़कों से  
ज्यादा लड़कियां पढ़-लिख रही  
हैं। जिनकी जिंदगी सामान्यतः  
सुख में चल रही है, उन्हें भी एक  
चिंता ये है कि लड़कियां अगर  
ज्यादा पढ़-लिख लें तो शादी के  
लिए सही लड़का मिलने में  
मुश्किलें आएंगी।



मोदी ने समझ लिया है। भाजपा और विपक्ष ने बढ़-चढ़कर नारीशक्ति वंदन अधिनियम के पक्ष में वोटिंग की है। लोकसभा में स्त्रियों के आरक्षण के पक्ष में 454 वोट गिरे, खिलाफ में सिर्फ दो वोट रहे। राज्यसभा में तो यह संपूर्ण बहुमत से पास हो गया। लोग पूछ रहे हैं आखिर मोदी को क्या जरूरत थी स्त्रियों को चुनाव में 33% आरक्षण देने की, जबकि कानूनी दिवकरतों के कारण 2024 के चुनाव में 33% आरक्षण देना संभव नहीं है। मामला साफ है। समाज में आता बदलाव मोदी को साफ दिखाई दे रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि मोदी और भाजपा महिलाओं के सशक्तीकरण के साथ खुद को जोड़कर राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं। लेकिन इससे भी जरूरी बात यह है कि चुनावी-राजनीति

में महिलाओं के आरक्षण को समर्थन दिए बिना मोदी की विरासत एक सर्वसमावेशी और सर्वहितपोषक प्रधानमंत्री की नहीं बन सकेगी। और वैसे भी संघ परिवार में मुद्दों के साथ जुड़ जाने व उन पर हक जताने की काबिलियत वर्षों से है। 2024 का चुनाव भाजपा जीते या हारे, महिलाओं को आरक्षण के मुद्दे पर मुहर लगाना जरूरी था। भाजपा ने संसद के विशेष सत्र में नारीशक्ति वंदन विधेयक प्रस्तुत कर एडवांस प्लानिंग की शुरुआत की है। सरकार इस कानून के लिए कटिबद्ध थी। इसलिए उसको आखिरी क्षण तक जाहिर नहीं किया, ताकि कोई विघ्नसंतोषी बिना वजह कोर्ट जाकर अड़चन पैदा न करे। इसमें कोई शक नहीं है कि अब नरेंद्र मोदी अपनी हर चुनावी रैली में इसका क्रेडिट लेते रहेंगे।

लोकसभा के 2024, 2029 और 2034 के चुनाव अगर समय पर हुए तो भाजपा, कांग्रेस और बाकी सभी पार्टियों को अब स्त्री उम्मीदवारों को पार्टी में तालीम देने, आगे बढ़ने का मौका देने और देश भर में एक भूमिका तैयार करने का काम शुरू कर देना पड़ेगा।

आखिर हर लोकसभा चुनाव में 181 सीटों पर स्त्री उम्मीदवारों की आवश्यकता होगी और सभी पार्टियों के उम्मीदवारों को गिनें तो कम से कम 1000 से ज्यादा स्त्रियों को संसद के लिए चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा। राज्य के चुनावों में हर पांच साल में सभी पक्षों के उम्मीदवारों को गिना जाएगा तो आरक्षित सीटों पर कम से कम

पांच हजार स्त्रियों को चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा। सभी विधानसभाओं में 1200 से ज्यादा सीटें आरक्षित हो जाएंगी। लेकिन सरकार चाहे जो कहे, स्त्रियों को 2029-31 से पहले आरक्षण कर्तव्य नहीं मिलना है। लेकिन नारीशक्ति वंदन कानून इतना ऐतिहासिक है कि इसके क्लाइमैक्स के लिए 6 या 8 साल की देरी कुछ ज्यादा नहीं। सभी पार्टियों को ये समझ लेना चाहिए कि नारियों के आरक्षण का मुद्दा अब चुनावी जुमले से आगे बढ़ चुका है।

मोदी का शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं के समक्ष भाषण यही दिखलाता है कि समाज में आए बदलाव को वे किसी भी हालत में नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। कई लोग इस कानून के लागू होने

के बाद जो बदलाव आगामी चार या पांच दशकों में आने वाले हैं, उनका अंदाजा नहीं लगा पा रहे हैं। ये बात समझ लीजिए कि बहुत कम पुरुष संसदों ने खुशी से इस कानून के सपोर्ट में वोट दिया है। जो राजनेता अपने-अपने क्षेत्रों में बड़े मजबूत हैं और उन्हें अपनी जागीर मान बैठे हैं, वो सब इस कानून के विरोधी हैं। संसद के विशेष सत्र में जब इस पर चर्चा शुरू हुई तब कई पुरुष संसदों ने अपना डर व्यक्त भी किया था। कंग्रेस को अच्छी तरह पता है कि सोनिया गांधी की इच्छा के बावजूद कंग्रेस अपने शासनकाल में नारियों को आरक्षण नहीं दे पाई थी, क्योंकि पुरुष संसद अंदर से उसका विरोध कर रहे थे। उस समय पिछड़े वर्ग की स्त्रियों का आरक्षण का मुद्दा उठाना एक सोची-समझी चाल थी। लेकिन भारत में कोई परिवर्तन धड़ाके से नहीं आता, धीरे-धीरे ही आता है। आज नारियों को आरक्षण मिला है तो कल पिछड़े वर्ग की महिलाओं को भी मिलेगा। भारतीय समाज में नारी गजब का संघर्ष करके अब उस मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां उसे इस आरक्षण के लिए किसी को नहीं सिर्फ अपने आप को अभिनंदन देना है। ये बात समझ लीजिए कि बहुत कम पुरुष संसदों ने खुशी से महिला आरक्षण कानून के सपोर्ट में वोट दिया है। जो राजनेता अपने-अपने क्षेत्रों में बड़े मजबूत हैं और उन्हें अपनी जागीर मान बैठे हैं, वो सब मन ही मन इसके विरोधी हैं।

सांसद पति या विधायक पति के बोर्ड नजर न आए पर्सद और विधानसभाओं में औरतों को 33 पर्सेट वीटें देने के मामले में कुछ ऐसा ही लग रहा है। यह अलंकारी पिछली सरकारों के वक्त से चली आ रही है। आबादी में पचास फीसदी वालों को अव्वल तो सेफ 33 प्रतिशत दे रहे हैं और बरसों से मामले को लगातार लटकाए हुए भी हैं। मर्दों की बहुमत वाली संसद हो या फिर पुरुषवादी सोच वाला प्रमाण। महिलाओं को कुछ देने में लगातार देर ही देर रहा है। यह देरी अमेरिका, यूरोप और दुनिया के दूसरे देशों में भी हुई थी और हम भी उसी चीजे पर गुजर रहे हैं।

वहरहाल संसद को जो करना था, उसने कर दिया। महिलाओं को तैतीस फीसदी आरक्षण देने वाला बल पास हो गया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि गायद 2029 की लोकसभा में महिलाओं की नए भारक्षण के हिसाब से नुमाइंदगी हो। उससे पहले मई जनगणना और नए परिसीमन का पेच फंसा दिया है। इस लिहाज से करीब पांच साल का वक्त बच गया है। औरतों के समाज को नेतृत्व के लिए खुद को तैयार करने के लिए। बात सिर्फ सांसद-विधायक ननने की नहीं है।

गुरुभ्यमंत्री और प्रधानमंत्री जैसे पदों पर भी ज्यादा से ज्यादा औरतें होनी चाहिए। इसके लिए मुकम्मल तैयारी की जरूरत है। सबसे बड़ी जरूरत बहनापे की है। मतलब बनी बनाई धारणाओं और सदियों से भगवर-गृहस्थी संभालने से उपजी मानसिकता में ऑर्जिटिव बदलाव करने की।

वीरन चार दिन पहले ही यह जानने के लिए सोशल मीडिया पर सिर्फ महिलाओं के लिए एक सवाल छोड़ा। सवाल था कि वह अपने आस-पास या अस्तित्व में किस ऐसी महिला को जानती हैं जिनमें वह विधायक या सांसद के गुण देखती हों। आमतौर पर मेरी प्रोफाइल पर काफी ज्यादा प्रतिक्रियाएं आती हैं पर इस सवाल पर कुछ गिने चुने कर्मेंट ही आए। संसर्फ एक दो महिलाओं ने ही किसी दूसरी महिला का नाम अगे बढ़ाया। कुछ महिलाओं का कहना था कि जब वक्त आएगा तब बताएंगे। उनका कहना था कि अभी न तो ढोल है और न कपास, फिर काहे हैं। लिए जुलाहों में लट्टुमलट्टु करा रहे हैं। तीन चमहिलाओं ने सीधे खुद की ही दावेदारी पेश कर दी और एक महिला का कर्मेंट था कि कोई भी महिला खुद को दूसरे से कम नहीं समझती। बात हंसी कही गई थी, फिर तुलसीदास जी का एक दोहा यह आ गया- इहान न पच्छापात कछु राखऊं, वेद पुरा संत मत भाषउं, मोह न नारि नारि के रूपा, पन्नाग। यह रीति अनूपा।

मतलब, तुलसीदास जी कहते हैं कि मैं बिपक्षपात के वेद, पुराण और संतों का मत बताता कि यह विलक्षण रीति है कि एक स्त्री दूसरी स्त्री पर मोहित नहीं होती। यह कथन और धारणाएं मध्यम युगीन हैं। उस वक्त ज्यादातर स्त्रियां घरों में संयुक्त परिवारों में रहती थीं।

पुरुष बाहर काम करते थे। लिहाज घरों के भीत प्रभुत्व के संघर्ष में महिलाएं ही आमने सामने होती थीं। इतिहास सैकड़ों हजारों साल का है तो काप बातें विरासत में भी आती हैं लेकिन अब वक्त बदल रहा है। अब महिलाओं को राजनीति करनी है तो उन्हें वह सबकुछ सीखना होगा जो पुरुष सियासी में रहने के लिए करते हैं।

यहां किसी किस्म का आदर्श या धारणाओं पर न बल्कि व्यवहारिक नेतृत्वशीलता पर ही आगे बढ़ावा का मौका होगा। इसके लिए बहनापे पर जोर दें होगा। पुरुष की छाया से मुक्त होकर आगे बढ़ावा होगा। इस लड़ाई में उनके सामने होंगी प्रभावशाली राजनीतिज्ञों, व्यारोक्रेट्स और ताकतवर परिवारों के महिलाएं। जैसा की पंचायत या नगर निगमों में चुनावों में देखा जाता है। प्रधानपति और पार्श्वदंपति जैसे नए विशेषण लोकल सरकारों की शोभा बने हुए हैं। नए महिला नेतृत्व को सबसे पहले समाज, राजनीति और देश को इसके लिए तैयार करना होगा कि को सांसद पति या विधायक पति उनके नाम पर सत्ता संभाले। इसके लिए महिलाओं को अपने बीच से नेतृत्व की तलाश अभी से शुरू करनी होगी। उस यह तैयारी तो की ही जा सकती है।

## सनातन धर्म को द्रविड़ परंपराओं ने कैसे बदला



तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने हाल ही में सनातन धर्म की तुलना डेंगी, मच्छर, मलेरिया, और कोविड से की। उसके बाद उनकी पार्टी डीएमके के सांसद ए राजा ने कहा कि हिंदू धर्म 'न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए अभिशाप है'। इन डीएमके नेताओं के बयानों से जब विवाद हुआ तो उन्होंने सफाई तो दी, लेकिन अपनी बात पर अड़े रहे। उदयनिधि ने कहा कि उन्होंने सनातन धर्म की बुगाइयों को खत्म करने की बात कही है, न कि इसे मानने वालों को। उन्होंने इस सिलसिले में छआष्ट और

सांस्कृतिक और भाषाई आधार है, इसकी कोई धार्मिक बुनियाद नहीं है। कहने का मतलब यह है कि कुछ भाषाओं को उनके जन्म के आधार पर इंडो-आर्यन भाषाओं से अलग मानकर द्रविड़ भाषाओं की पहचान बहुत बाद में दी गई। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इस पहचान से पहले इन लोगों की धार्मिक मान्यताएं नहीं थीं। द्रविड़ लोगों का धर्म क्या था और उनकी पूजा पद्धति क्या थी, इसका जवाब आगम साहित्य से मिलता है। कुछ जानकार मानते हैं कि इसकी रचना वेदों के लिखे जाने से पहले की है तो कुछ का दावा है कि इसे वेदों के बाद लिखा गया है।

नड़ा। इन सचेक निलाना सहाय हूँ यन का आधुनिक स्वरूप उभरा, जिसे आज लोग मानत हैं। गौर करने की बात यह भी है कि तमिलनाडु और कर्नाटक के कुछ गांवों में जिस तरह से आज भी देवियों की पूजा की जाती है, वह द्रविड़ धर्म की पुरानी परंपराओं का ही अटूट सेलसिला है। शक्ति की उपासना इस धर्म की खास बात है, जिसने हिंदू धर्म को गहरे प्रभावित किया। आज द्रविड़ भाषी समाज में भी किसी द्रविड़ धर्म की अवधारणा नहीं है। वहां के बहुसंख्यक समूदय के लिए भी हिंदू धर्म की कमोबेश वही मान्यताएं हैं, जो उत्तर भारतीय वहुसंख्यकों के लिए। अगर कोई कई विख्यान की कोशिश होती है तो

# कनाडा खालिस्तानी आतंकियों की शरणस्थली बना



लेकिन सबूत नहीं दिया। दूसरी तरफ वहां खालिस्तानी भारतीय हिंदुओं को धमका रहे हैं, मिशनों पर हमले की धमकी दे रहे हैं और पीएम टूडो इस बात पर मैन है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, 'कनाडा में अलगाववादियों को पनाह दी जा रही है। हम चाहते हैं कि कनाडा की सरकार ऐसा ना करे। वह आतंकवाद के आरोपों का सामना करने वालों के खिलाफ

कारवाई कर या। फिर उन्ह अदालत के कठधर भ खड़ा करने के लिए भारत भेजे। उन्होंने बताया है कि भारत ने कुछ वर्षों में कम से कम 20 से 25 लोगों से संबंधित प्रत्यर्पण अनुरोध या अन्य सहायता के लिए कनाडा से अनुरोध किया लेकिन कोई उपयुक्त प्रतिक्रिया नहीं मिली। हरदीप सिंह निजर कोई पहला कठुरपंथी नहीं है जिसे कनाडा का नागरिक कह कर बचाने के लिए कनाडा सरकार आगे आई है। खुफिया अधिकारियों की मानें तो एयर इंडिया के कनिष्ठ प्लेन बम धमाके के गुनहगार तलविंदर सिंह परमार को भी कनाडा सरकार ने इसी तरह से संरक्षण दिया था। उस समय जस्टिन टूडो के पिताजी पियरे टूडो पीएम थे। स्पष्ट है कि टूडो अपने पिता के ही नक्शेकदम पर चल रहे हैं। कल्पना कीजिए कनाडा में एक चर्च की दीवार पर ओसामा बिन लादेन की तस्वीर लगी है। क्या ऐसी कल्पना की जा सकती है, यकीनन नहीं? लेकिन कनाडा ऐसा देश है जहां गुरुद्वारे की दीवार पर भारत के सबसे बड़े आतंकी तलविंदर सिंह परमार की तस्वीर लगाई जाती है। कनाडा के बिंदिश कोलंबिया पांत में से नाम का शहर था। इनम सबस प्रमुख थे कनाडा। कामागाटा मारू कनाडा के नस्लभेदी इतिहास का एक काला अध्याय रहा है। हालांकि कनाडा को इस बात का श्रेय जाता है कि कनाडा के तमाम प्रधानमंत्री समय-समय पर कामागाटा मारू की घटना के लिए माफी मांग चुके हैं लेकिन एक सच ये भी है कि ये माफी तब आई जब भारतीयों का एक अच्छा खासा वोट बैंक कनाडा में तैयार हो गया। 2023 में कनाडा में रहने वाले भारतीयों की संख्या लगभग 18 लाख के आसपास हैं। इनमें सबसे बड़ा ग्रुप सिखों का है जो 7 लाख, 80 हजार के आसपास हैं। सबसे ज्यादा सिख ऑटोरियो के ब्रैम्पटन शहर में रहते हैं। वर्ष 2022 में सिख चरमपंथी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने इसी शहर में खालिस्तान रेफोर्डम का आयोजन किया था जिसमें दावा किया गया कि एक लाख लोगों ने भाग लिया। कनाडा की संसद में 338 सीट हैं। साल 2019 में हुए चुनाव में यहां 18 सिख संसद चुने गए थे। सिख राजनीति का एक बड़ा पहलू गुरुद्वारे हैं। कनाडा में 200 के आसपास गुरुद्वारे हैं जिनमें से कई पर खालिस्तानी चरमपंथियों का

है। इस शहर में एक दशमेश दरबार गुरुद्वारा है। साल 2021 में इस गुरुद्वारे की बाहरी दीवार पर परमार की एक बड़ी सी तस्वीर लगा दी गई है। अक्टूबर 1992 में पंजाब पुलिस के साथ हुए एनकाउंटर में तलविंदर परमार मारा गया। भारत में तलविंदर की कहानी हमेशा के लिए खत्म हो चुकी है मगर कनाडा में उसे मरने के बाद भी जिंदा रखा जा रहा है।



## पुणे के इन अष्टविनायक मंदिरों के दर्शन करने से मिलेगा विघ्नहर्ता का आशीर्वाद

### मयूरेश्वर या मारेश्वर मंदिर

पुणे के मोरगाँव क्षेत्र में मयूरेश्वर विनायक का मंदिर है। पुणे से करीब 80 किलोमीटर दूर मयूरेश्वर मंदिर के चारों कोनों में मौनारंग और लंबे पथरों की दीवारें हैं। यहां चार द्वार भी हैं जिन्हें सतयुग, त्रेतायुग,



द्वापरयुग और कलियुग चारों युग का प्रतीक मानते हैं। यहां गणेश जी की मूर्ती बैठी मुद्रा में है और उसकी सूर्ड वाई है तथा उनकी चार भूजाएं एवं तीन नंदी की भी मूर्ती हैं। कहते हैं कि इसी स्थान पर गणेश जी ने सिंधुगंगा नाम के राक्षस का वध में पर सवार होकर उसपे युद्ध करते हुए किया था। इसी कारण उनका मयूरेश्वर कहा जाता है।

### सिद्धिविनायक मंदिर

करजत तहसील, अहमदनगर में है सिद्धिविनायक मंदिर। ये मंदिर पुणे से करीब 200 किलोमीटर दूर भूम नदी पर स्थित है। यह मंदिर करीब 200 साल पुराना बताया जाता है। सिद्धिटेक के में भगवान विष्णु ने सिद्धियां हासिल



की थी, वहीं एक पहाड़ की चोटी पर सिद्धिविनायक मंदिर बना हुआ है। इसका मुख्य द्वार उत्तर दिशा की ओर है। इस मंदिर की परिक्रमा करने के लिए पहाड़ की चात्रा करनी होती है। सिद्धिविनायक मंदिर में गणेश जी की मूर्ति 3 फीट ऊँची और बाईं फीट ऊँची है। यहां गणेश जी की सूर्ड सीधे हाथ की ओर है।

भक्ति के चलते उनकी मूर्ती सहित जंगल में फेंक दिया था। जहां उसने केवल गणपति का स्मरण करते हुए समय बिता दिया था। इससे प्रसन्न गणेश जी ने उसे इस स्थान पर दर्शन दिया और कालानंदर में बललाल के नाम पर उनका ये मंदिर बना। ये मंदिर मंबई-पुणे हाइवे पर पानी से टोयन और गोवा राजमार्ग पर नानोथाने से फहले 11 किलोमीटर दूर स्थित है।



### बल्लालेश्वर मंदिर

इसके बाद रायगढ़ के कोलाहलपुर में है वरदविनायक मंदिर। एक मान्यता के अनुसार वरदविनायक भक्तों की सभी कामनों को पूरा होने का वरदान देते हैं। एक कथा ये भी है कि इस मंदिर में नंददीप नाम का दीपक है जो कई वर्षों से लगातार जल रहा है।



### चिंतामणी मंदिर

थेऊर गांव में तीन नदियों और मूला और मुथ के समान पर स्थित है। चिंतामणी मंदिर। ऐसी मान्यता है कि विचलित मन के साथ इस मंदिर में जाने वालों की सारी उलझान दूर हो कर उन्हें शांति मिल जाती है। इस मंदिर से भी जुड़ी एक कथा है कि स्वयं भगवान ब्रह्मने ने अपने विचलित मन को शांत करने के लिए इसी स्थान पर तपस्या की थी।



### गिरिजात्मज अष्टविनायक मंदिर

लेण्यादी गांव में है गिरिजात्मज अष्टविनायक मंदिर जिसका अर्थ है गिरिजा के आत्मज यानी माता पार्वती के पुत्र अर्थात् गणेश। यह मंदिर पुणे-नासिक राजमार्ग पर पुणे से करीब 90 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। इसे लेण्यादी पहाड़ पर बाँड़ गुफाओं के स्थान पर बनाया गया है। इस पहाड़ पर 18 बाँड़ गुफाएं हैं जिसमें से 8वीं गुफा में गिरजात्मज विनायक मंदिर है। इन गुफाओं को गणेश गुफा भी कहा जाता है। मंदिर तक पहुंचने के लिए करीब 300 सीढ़ियां चढ़नी होती है। एक और विशेषता ये है कि यह पूरा मंदिर एक दी बड़ी पथर को काटकर बनाया गया है।



### विघ्नेश्वर अष्टविनायक मंदिर

यह मंदिर पुणे के ओडार जिले के जूनर क्षेत्र में स्थित है। पुणे-नासिक रोड पर करीब 85 किलोमीटर दूरी पर ये मंदिर बना है। एक किंवदंती के अनुसार विघ्नासुर नाम का असूर जब संतों को प्रसादित कर रहा था, तब भावान गणेश ने इसी स्थान पर उसका वध किया था। तभी से यह मंदिर विघ्नेश्वर और विघ्नहर के रूप में जाना जाता है।



### महागणपति मंदिर

राजगांव में स्थित है महागणपति मंदिर। इस मंदिर को 9-10वीं सदी के बीच का माना जाता है। पूर्व दिशा की ओर मंदिर का बहुत विश्वाल और सुन्दर प्रवेश द्वार है। यहां गणपति की मूर्ति को माहोत्कात नाम से भी जाना जाता है। एक मान्यता के अनुसार विदेशी आक्रमणकारियों से रक्षा करने के लिए इस मंदिर की मूर्ति मूर्ति को तहखाने में छिपा दिया गया है।

### रोजाना सिर्फ एक बार बोलें यह गणेश मंत्र

शास्त्रों में गणेश जी के 12 नामों वाला एक मंत्र बताया गया है। इस मंत्र में गणपति के 12 नाम साथ दिए गए हैं। इस मंत्र का स्मरण करने मात्र से भी व्यक्ति के सामने विद्युत दिखाये जाते हैं। मंत्र इस प्रकार है गणपूज्यो वक्रनूण्ड एकदंष्ट्री नियामकः। नीलांगीवो लज्जादो विकटा विप्रागतकः। ध्वन्याणो भालचन्द्रो दशमस्तु विनायकः। गणपतिहस्तिमुखो द्वादशारे यजद्वृणम्।। इस मंत्र का 21 बार जप करते ही पूरी होगी हर इच्छा। पुराणों में गजानन का एक मंत्र दिया गया है। किसी भी कार्य को करने से पूर्व यदि इस मंत्र का 21 बार जप करता ही तो अवश्य सफलता मिलती है। यदि इस मंत्र का नित्य प्रतिदिन पाठ किया जाए तो व्यक्ति का सेया भाय भी जाग जाता है। त्रयीमयायाखिलबुद्धित्रो बुद्धिप्रदीपाय सुराधिपाय। नित्याय सत्याय च नित्यबुद्धिनित्यं निरीहाय नमोस्तु नित्यम्।



## भूलकर भी गणपति को न चढ़ाएं ये 5 चीजें, मिलेगा अशुभ फल

प्रथम पूज्य गणपति महाराज का महापर्व शुरू हो गया है। भक्त उन्हें प्रसन्न करने में लगे हैं। मान्यता है कि विघ्नहर्ता की पूजा करने से छुटकारा को हर तरफ के संकटों से छुपाने की प्राप्ति होती है। वैसे तो हर मास में गणेश चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। लेकिन, भाद्रपद के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली चतुर्थी काफी खास होती है, क्योंकि इस दिन भगवान गणेश का जन्म माना गया है। इसी कारण अगले 10 दिनों तक गणेश उत्सव मनाया जाता है। शास्त्रों में गणेश उत्सव का महत्व बताया गया है। उनकी पूजा के कुछ विधि विधान भी हैं। पूजा में कुछ ऐसी सामग्री भी हैं, जो विघ्नहर्ता को नहीं चढ़ायी जाती है। इसलिए गणपति की पूजा करने समझूल कुछ नियमों को ध्यान जरूर रखना चाहिए। ऐसे ही जानिए गणपति को वह कौन सी चीजें हैं, जिनमें बिल्कुल भी नहीं चढ़ाना चाहिए।

### तुलसी के परते न चढ़ाएं

विघ्नहर्ता गणपति को कभी भी तुलसी नहीं चढ़ानी चाहिए। पौराणिक कथाओं के अनुसार गणपति ने तुलसी से पूरा दिया था।

**बेसन के लड्डू**  
गणेश चतुर्थी के दौरान विघ्नहर्ता को बेसन के लड्डू का भी भोग लाया जा सकता है। बेसन का लड्डू भी गणपति वध्या को अति प्रिय है।  
**मोतीचूर के लड्डू**  
गणपति वध्या को मोतीचूर का लड्डू भी काफी ज्यादा पसंद है। 10 दिनों तक चलने वाले गणेश उत्सव के दौरान आप गणपति वध्या को मोतीचूर लड्डू का भोग लगा सकते हैं।

### खीर

गणवान गणेश को खीर

भगवान गणेश को खीर भी ख्वा पसंद है। ऐसे आप गणेश उत्सव के दौरान घर में किसी खीर का भोग भगवान गणेश को बहुत बेहद शुभ माना जाता है। इसके बाद तेजों के फूल का भोग लगा सकते हैं। गणपति वध्या को आप केले की भोग लगा सकते हैं।

### केला

देवी-देवताओं को फूल का भोग लगाना बहुत शुभ माना जाता है। गणपति वध्या को आप केले की भोग लगा सकते हैं।

### नारियल

गणेश चतुर्थी के दौरान आप नारियल का भी भोग लगा सकते हैं। साथ ही मांगलिक कार्यों में नारियल चढ़ाने का खास महत्व माना जाता है।

### मुहूर्त फूल और माला

पूजा के दौरान

चावल नहीं चढ़ाने चाहिए। इस बात का ध्यान रखने की गणपति को सुखे नहीं, बल्कि गीले चावल चढ़ाए जाने हैं। सफेद चीज़ भी न करें। सफेद विघ्नशक को कभी भी सफेद चीज़ नहीं चढ़ानी चाहिए। क्योंकि सफेद चीज़ चंद्रमा से संबंधित है। चंद्रदेव ने एक बार भगवान गणेश के रूप में जानकारी चाही तो विघ्न भगवान गणेश के रूप में जानकारी चाही। इसके बाद गणेश ज्योति ने चंद्रमा के भास गणेश को बहुत प्रिय माना जाता है। इसलिए गणपति को सफेद रंग के फूल, वस्त्र, सफेद जनेज, सफेद चंद्रन आदि नहीं चढ़ाना चाहिए।

### वास रहता है।

निषेध है केतकी के फूल

भगवान गण

## हमेशा से था कियारा को अभिनय का शौक



कियारा आडवाणी अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल जिंदगी के बीच संतुलन बनाकर चलती है। उसने अपने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ तालमेल के बारे में बात करते हुए बताया कि जब सैर- सपाटे की बात आती है तो दोनों को इसके लिए जगह तय करने में कोई दिक्कत नहीं होती। कियारा ने कहा, सौभाग्य से हम दोनों को यात्रा करना पसंद है, इसलिए जगह चुनना कभी भी मुश्किल नहीं होता।

उसने यह भी बताया कि वे दोनों पानी का पूरा

आनंद लेते हैं और वह समुद्र तट पर छुट्टियों के लिए कभी मना नहीं कर सकती। उन दोनों को ही

तैराकी पसंद है लेकिन सिद्धार्थ गोता लगाने में उससे काफी बेहतर है। उसने कहा कि तैराकी एक ऐसा शौक है जिसे वह बचपन में भी बड़े चाव से करती थी।

कियारा ने पानी के प्रति अपना जुनून व्यक्त करते हुए कहा, मुझे लात है कि मैं पानी की बड़ी चाव से करती थी। कियारा के पानी के प्रति अपना जुनून व्यक्त करते हुए कहा, मुझे किसी भी किरदार में डाल दीजिए और मैं उसी में डल जाऊंगी। जब मैं पानी में होती हूं तो मुझे इससे एक खास तरह का जुड़ाव महसूस होता है।

अब तक की लाले अंगीब छक्कत मेरे लिए सबसे रोमांचक अनुभव अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने का था। जब मैं कैरेबियन सागर में नंगे पैर बुड़सवारी करने गई थीं। यह बिल्कुल जंगलियों जैसा काम था क्योंकि मैं बिना काढ़ी के घोड़े पर सवार होकर समुद्र किनारे पानी में बुड़सवारी कर रही थी। यह एक अद्भुत अनुभव था, जिसे करने का मेरा मन था और मैं अपनी इस ख्वाहिश को पूरा करने में कामयाब रही।

हमेशा से था अभिनय का शौक "अभिनय हमेशा से मेरा जुनून था। कभी कोई 'बालान बी' नहीं था! लोग सोचते हैं कि एक अभिनेत्री का जीवन पूरी तरह से ग्लैमरस होता है, लेकिन जो नज़र आती है, उसके अलावा भी इसमें बहुत कुछ है। हां, डिजाइनर हमें सुंदर परिधान भेजते हैं और फैन्स से हमें खूब सारा यार मिलता है, लेकिन यह सब लम्बी और कड़ी मेहनत, समर्पण तथा अनुशासन का परिणाम है। घर पर मैं एक सामान्य लड़की हूं जो खाना पकाने में मदद करती है।

क्या इंडस्ट्री में टॉप पर रहना मुश्किल है, पर वह कहती है, मुझे लगता है कि जब आप टॉप पर अपना रास्ता बना रहे होते हैं तो यह आसान होता है, लेकिन जब आप एक ऐसी स्थिति में होते हैं कि आपने लगातार टिट फिल्में दी हैं, तो इसे बनाए रखना निश्चित रूप से अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

जब उससे पूछा गया कि वह स्क्रीन पर किस नहीं करना चाहती थी।

जब उससे पूछा गया कि उसने हिन्दी फिल्में अधिक व्यक्तों नहीं की तो उसका कहना था, मैंने हिंदी फिल्मों के लिए भी कोशिश की। मैंने कई

फिल्मों के लिए आडिशन दिया। मैंने 'हैपी न्यू इंसर' के लिए आडिशन

करना कहा है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने

में अभिनय का कहना है कि उसने कई बालीबुद्धि फिल्मों का हिस्सा बनाने



# मणिपुर में इंटरनेट आज से शुरू

3 मई से बैन लगा था; सीएम बीरेन सिंह बोले-राज्य के हालात सुधरे इसलिए हटाया जा रहा



इंफाल, 23 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में 3 मई से चल रही जातीय सिंह के बाद राज्य में लगा इंटरनेट बैन शनिवार 23 सितंबर को हटा दिया जाएगा। यह बात सीएम एन बीरेन सिंह ने कही। इसके पहले 25 जुलाई को बॉर्डर्स एवं सेतां शस्त्र बहाल की गई थी।

बीरेन सिंह ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि सरकार ने फेक न्यूज और हेट स्पीच को फैलने से रोकने के लिए इंटरनेट सुधारने के बाद इंटरनेट बैन किया था। हालात सुधारने के बाद इंटरनेट सुधारने की बाबल की रही है। पिछले दो सप्ताहों में स्थिति में सुधार हुआ है और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों को तैनाती के साथ गोलोबारी की घटनाओं में कमी आई है। उन्होंने यह दावा भी किया कि मौजूदा स्थिति पिछली सरकारों की अनियोजित नीतियों का नतीजा है, न कि कोई हालिया फैसले का तत्वावधार परिणाम है।

**सुरक्षा बलों पर आरोप, बॉर्डर**

सिक्योरिटी में चूक

मुख्यमंत्री ने मीडिया से कहा कि हमने केंद्रीय गृह मंत्रालय से राज्य

स्टालिन ने पीएम मोदी की 'चुप्पी' पर साधा निशाना लोकसभा चुनावों में भाजपा को हराने का किया आह्वान



चेन्नई, 23 सितंबर (एजेंसियां)। द्रुमुक प्रमुख और लमिलान्डु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में बताई गई अनियमिताओं पर जवाब न देने के लिए शनिवार को प्रधानमंत्री ने नियंत्रकों को भागीदारी और कॉर्पोरेट संचालित राजनीति को समाप्त करने के लिए एक जूट होने का आह्वान किया। स्टालिन ने 'पैरिंग फॉर इंडिया' पोडकास्ट की अपनी दूसरी कड़ी में कैग की रिपोर्ट को लेकर पीएम मोदी से सवाल किया।

द्रुमुक प्रमुख ने सवाल किया, मैं (पीएम) मोदी से पूछता हूं, 'जो 'इंडिया' पर प्रधानमंत्री का गठबंधन होने के आरोप लाता है, कैग की रिपोर्ट आपके शासन में भ्रात्याचार की है। क्या आपने पढ़ा है कि रिपोर्ट में क्या कहा गया है? क्या आपने विशेष समैं इस पर चर्चा की? क्या आपने जवाब दिया? पॉडकास्ट का शीर्षक था- 'कैग की रिपोर्ट में 7.5 लाख करोड़ रुपये की अनियमिताएं और प्रधानमंत्री की चुप्पी' हालांकि भाजपा प्रचार और विज्ञापनों के माध्यम से यह सब छिपाने में कामयाब रही है, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन के नेता अब भाजपा को बेनकाब कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हम यह बात राजनीति के लिए नहीं कह रहे हैं।

## असम राइफल्स ने मणिपुर पुलिस से विद्रोहियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की



इंफाल, 23 सितंबर (एजेंसियां)। असम राइफल्स ने मणिपुर पुलिस से धारी राज्य से विद्रोहियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की अपील की है। विद्रोहियों ने वाहन हावसिल करके उन्हें केंद्रीय अधिकारी बल द्वारा उपयोग किए जाने वाले बाहों के समान मॉडिफाइड करा लिया है। असम राइफल्स के 27 सेक्टर के चुराचंदपुर स्थित मुख्यालय ने चुराचंदपुर के पुलिस अधिकारी को एक गोपनीय प्रथा लिया है। पत्र में कहा है कि किसी भी प्रकार की प्रतीकूल घटना से इस्तेमाल किया जाना वाहन को कार्रवाई करने के अवैध मार्डिफिकेशन के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए।

आरएसएस के पास मौजूद असम राइफल्स के 18 सितंबर के पत्र में कहा गया है, "यह पता चला है कि कुछ मैरेंड बदमाशों ने वीची आईजी

लोगों को बचाने के लिए एनडीआरएफ तैनात

नागपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। नागपुर में शुक्रवार रात आसमान से आफत बरसी। दरअसल शुक्रवार रात से ही रही भारी बारिश से शर के कई इलाकों में पानी भर गया है और हालात ये हैं कि लोगों को बचाने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की तैनाती के साथ प्रशासन भी सक्रिय हो गया है। भारी बारिश से नागपुर की कई सड़कें दरिया में तब्दील हो गई और वाई संचार में लोगों को सुरक्षित जगह ले जाना पड़ा।

भारी बारिश से निचले इलाकों में बाढ़ के हालात

में लोगों को बचाने के लिए एनडीआरएफ ने दिल्ली सीएम देवेंद्र फड़ालप्रसाद ने लोगों को खाली संस्थानों में भर्ती किया। बारिश से नागपुर के निचले इलाकों में लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

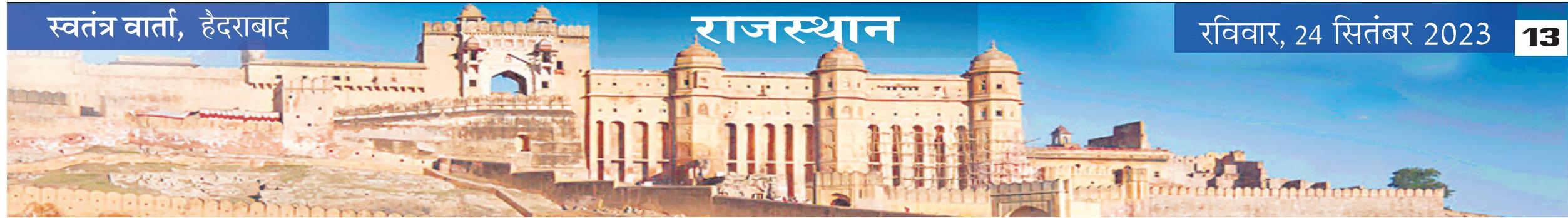
जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।

जगहों पर फसे लोगों को तुरंत बचाने का निर्देश एनडीआरएफ की टीम ने अवाज़ीरी इलाके से लोगों को सुरक्षित बचाया।





# टिकटों में मुसलमानों की भागीदारी बढ़ाएगी बीजेपी 15 सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशियों के लिए सर्वे पिछले चुनाव में था केवल एक कैंडिडेट

जयपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मुस्लिमों को एक भी टिकट नहीं देने की ओर तक चली आ रही चर्चाओं के उत्तर भाजपा इस बार के चुनाव में अल्पसंख्यक समाज की भागीदारी बढ़ाने की तैयारी कर रही है। प्रदेश की 40 मुस्लिम बहुल सीटों में से जीत की संभावना का तालाशन के लिए 15 सीटों पर पार्टी की ओर से मुस्लिम दावेदारों को लेकर सर्वे करवाया जा रहा है।

इनमें कामां, हवामहल, मंडावा, लाडनूं, नागौर, किशनगढ़, सीको, झांसी, पोकरण, आदर्शनगर, कोटा उत्तर, टोक, डीडवाना और धौलपुर सीटें बताई जा रही हैं। सर्वे में जीन सीटों पर सबसे मजबूत दावेदार निकलकर समने आये, उनमें से चार-पांच सीटों पर जीते थे योग्य दावेदारों को टिकटों पर साकेत हुए।

पिछले चुनाव में केवल एक सीट पर उत्तरा था प्रत्याशी पिछले 2018 के चुनाव में भाजपा ने 200 में से एकमात्र टोक सीट पर मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में उत्तरा था। यहां भाजपा ने कांग्रेस के तकालीन प्रदेश अध्यक्ष सचिव पायलट के समने पूर्व मंत्री युनूस खान को चुनाव लड़ाया था।

लैंकिन इस बार 2013 के चुनाव का इतिहास दोहराते हुए



मुसलमानों के बोट हासिल करने के लिए टिकटों में समाज की भागीदारी बढ़ाने पर काम चल रहा है। 2013 के चुनाव में पार्टी ने चार सीटों डीडवाना, नागौर, धौलपुर और मंडावा में मुस्लिम प्रत्याशी उतारे थे। इनमें से डीडवाना और नागौर में भाजपा ने अल्पसंख्यक समाजों की बोटों पर जीत हासिल की थी।

15 सीटों पर पर मुस्लिम प्रत्याशी की दावेदारी जारी रखेगी भाजपा के राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मंत्री को आरे से मजबूती से काम किया जा रहा है। मंत्रों की ओर से मजबूती नेतृत्व के समने 15 सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी उतारने का प्रस्ताव रखा है।

इसके पांचे तर्क है कि अगर

प्रमुख सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी में उतारे जाते हैं तो इसका सीधा फायदा अल्पसंख्यक वोटों की बहुताली वाली 40 सीटों पर पार्टी की बोटों की होगी। मुस्लिम प्रत्याशी उतारने से प्रदेशभर में यह मैसेज जारी होगा कि भाजपा प्रत्याशी उतारने का प्रस्ताव रखा है।

इसके पांचे तर्क है कि अगर

प्रमुख सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी में उतारे जाते हैं तो इसका सीधा फायदा अल्पसंख्यक वोटों की बहुताली वाली 40 सीटों पर पार्टी की बोटों की होगी। मुस्लिम प्रत्याशी उतारने की बोटों की बहुताली वाली 40 सीटों पर पार्टी की बोटों की होगी।

अब तक राजस्थान अल्पसंख्यक मंत्री के सात अध्यक्ष अध्यक्ष अध्यक्ष समेत पूर्व में अध्यक्ष रहे चार नेताओं ने अल्प-अलग सीटों पर अपनी दावेदारी जारी रखी है।

वहां पूर्व अध्यक्ष मंजद लिलक

कंमाडी को कोटा उत्तर, सातिक

खान ने हवामहल, मुमताज भाटी

ने बीकानेर पूर्व से दावेदारी की है।

इसके साथ ही बुन्देशरा राजे

सरकार के बाद पार्टी 15 सीटों

सरकार के बाद पार्टी रहे युनूस

दावेदारी को नामां दीडवाना और कांग्रेस दोनों

दलों के नेताओं में टकराव हो गया।

भाजपा देहात मंडल अध्यक्ष दिलीप

मिंगा ने आरोप लगाया कि इस

दलान युवक कांग्रेस के पूर्व जिला

दिव्याकार जान से मारने की धमकी

दी। इस बात से भाजपाइयों में युस्सा

फूट गया और आजाद चौक पर

जाम लगाकर मंत्री भाया मुर्खाबाद के

नारे लगाने लगे। भाजपा कायरकातों

के अफार-तफरी का साहौल हो

गए। मालाल बारां जिले के मांगरोल

का शाम 4 बजे का है। जानकारी

के अनुसार मंत्री भाया मांगरोल में

सरकारी कॉलेज की नई बिल्डिंग

का उद्घाटन करने जा रहे थे। वह

कॉलेज मांगरोल के इटाया रेड गर

बना है। इस कॉलेज का निर्माण

केंद्र और राज्य सरकार दोनों के

सहयोग से हुआ है।

भाजपा कायरकातों ने आरोप

लगाया इस कॉलेज के निर्माण में

भाजपा रोकने की कोशिश की।

इस कॉलेज के निर्माण के लिए

प्रदर्शनकारियों ने मंत्री के

काफिले को रोकने की कोशिश की।

इस कॉलेज के निर्माण के लिए

प्रदर्शनकारियों ने आरोप

लगाया इस कॉलेज के निर्माण में

भाजपा रोकने की कोशिश की।

इस कॉलेज के निर्माण के लिए

प्रदर्शनकारियों ने आरोप

लगाया इस कॉलेज के निर्माण में

भाजपा रोकने की कोशिश की।

इस कॉलेज के निर्माण के लिए

प्रदर्शनकारियों ने आरोप

लगाया इस कॉलेज के निर्माण में

भाजपा रोकने की कोशिश की।

इस कॉलेज के निर्माण के लिए

प्रदर्शनकारियों ने आरोप

लगाया इस कॉलेज के निर्माण में

भाजपा रोकने की कोशिश की।

इस कॉलेज के निर्माण के लिए

प्रदर्शनकारियों ने आरोप

लगाया इस कॉलेज के निर्माण में

भाजपा रोकने की कोशिश की।

इस कॉलेज के निर्माण के लिए

प्रदर्शनकारियों ने आरोप

लगाया इस कॉलेज के निर्माण में

भाजपा रोकने की कोशिश की।

इस कॉलेज के निर्माण के लिए

प्रदर्शनकारियों ने आरोप

लगाया इस कॉलेज के निर्माण में

भाजपा रोकने की कोशिश की।

इस कॉलेज के निर्माण के लिए

प्रदर्शनकारियों ने आरोप

लगाया इस कॉलेज के निर्माण में

भाजपा रोकने की कोशिश की।

इस कॉलेज के निर्माण के लिए

प्रदर्शनकारियों ने आरोप

लगाया इस कॉलेज के निर्माण में

भाजपा रोकने की कोशिश की।

इस कॉलेज के निर्माण के लिए

प्रदर्शनकारियों ने आरोप

लगाया इस कॉलेज के निर्माण में

भाजपा रोकने की कोशिश की।

इस कॉलेज के निर्माण के लिए

प्रदर्शनकारियों ने आरोप

लगाया इस कॉलेज के निर्माण में

भाजपा रोकने की कोशिश की।

इस कॉलेज के निर्माण के लिए

प्रदर्शनकारियों ने आरोप

लगाया इस कॉलेज के निर्माण में

भाजपा रोकने की कोशिश की।

इस कॉलेज के निर्माण के लिए

प्रदर्शनकारियों ने आरोप

लगाया इस कॉलेज के निर्माण में

भाजपा रोकने की कोशिश की।

इस कॉलेज के निर्माण के लिए



# क्या एशियाड में मेडल की सेचुरी लगाएगा भारत एथलेटिक्स, कबड्डी और क्रिकेट ने बढ़ाई उम्मीदें; दिग्गज बोले- 'इस बार सौ पार'

खेल डेस्क, 23 सितंबर (एजेंसियां)। एशियन गेम्स के 19वें सौंजन की शुरुआत आज से हो रही है। भारत ने 18 बार एशियाड में हिस्सा लिया, लेकिन देश की भी 100 मेडल काठड़े के लिहाज़ा की नहीं सका। मेडल काठड़े के लिहाज़ा से भारत ने 73 साल का बेस्ट परफॉर्मेंस 2018 में किया। तब इंडोनेशिया के जकार्ता एशियाड में देश को 70 मेडल मिले थे।

आंतरिक्षिक एसेसिंग इंडिया ने इस बार एशियन गेम्स में 100 खेलों का टारेट रखा है। भारत ने गेम्स में 655 रेकॉर्ड्स उतारे हैं, जिनसे इन मेडल की उम्मीद है। इस स्तरे से हम एक्सपर्ट और ऑपरिनयन और खिलाड़ियों के हालिया फॉर्म के आधार पर जारी रखेंगे कि भारत मेडल की सेचुरी लगा पाएगा या नहीं।

आइआईए अध्यक्ष पीटी उषा ने 'इस बार सौ पार' का नाम दिया।

पीटी उषा ने मनी कंट्रोलों को दिए इंटरव्यू में कहा था, 'मुझे उम्मीद है कि भारत 'एशियन गेम्स 2022' में अपनी ओवरऑल परफॉर्मेंस को 2018 के मुकाबले सुधारेगा। एथलेटिक्स में हमें वर्ड लेवल पर मेडल मिलने शुरू हो गए हैं, इस बार उनसे और भी ज्यादा उम्मीदें हैं। अब तो क्रिकेट टीम भी शामिल हो रही है।'

इंडियन ऑपरिनयक एसेसिंग इंडिया की अध्यक्ष पीटी उषा ने एथलेटिक्स को लिए 'इस बार सौ पार' का नाम दिया। पूर्व संप्रिटर पीटी उषा ने एशियन गेम्स में 4 गोल्ड और 7 सिल्वर मेडल जीती है।

अंजु बॉबी जॉर्ज को 100

मेडल की उम्मीद

पूर्व एथलेट अंजु बॉबी जॉर्ज ने दैनिक भास्कर से कहा- 'भारत 70,

80 से 100 मेडल तक जीत सकता है। एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा मेडल मिलेंगे। शूटिंग और बॉक्सिंग में भी पिछली बार से ज्यादा मेडल जीतने की उम्मीद है। खिलाड़ी अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं, वह देश को छोड़ नहीं सकता कि वहाँ रहे।'

अंजु बॉबी जॉर्ज ने एशियन गेम्स में एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीती है। उन्होंने लॉन्ज जम्प और ट्रिपल जम्प इंवेट में देश का प्रतीक्षित विनाश किया था।

इन 10 खेलों में मेडल पक्के

1. जेवलन श्री

नीरज चोपड़ा से इस बार फिर गोल्ड मेडल की उम्मीद है। उन्होंने 2018 एशियन गेम्स में गोल्ड जीता था। पिछले दिनों डायर्यांड में स्पेन और इंग्लैंड जीती टीमों को हराया था। इस खेल में भारत को 4 गोल्ड, 11 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं।

कितने मेडल की उम्मीद- 1 गोल्ड

2. कबड्डी

भारत की मौस और विमेस कबड्डी टीम पूरी दुनिया में सबसे बेस्ट है। एशियाड में पुरुष टीम ने 8 में से 7 गोल्ड मेडल जीते हैं, वहीं पिछली बार ही टीम को ब्रॉन्ज से संतुष्ट करना पड़ा था। विमेस टीम के नाम भी 3 में से 2 गोल्ड हैं, पिछले सीनी टीम ने देश को 2 गोल्ड दिलाए थे। इस इंवेट में देश ने अब तक 11 गोल्ड, 14 सिल्वर और 34 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं।

कितने मेडल की उम्मीद- 2 गोल्ड

3. क्रिकेट

एशियन गेम्स में 9 साल बाद क्रिकेट की वापसी हुई है और वीसीआई ने मेस और विमेस

दोनों ही कैटेगरी में अपनी टीमें भेजी हैं। विमेस टीम सेमीफाइनल में पहले चुकी है, वहीं मेस टीम अपने अधियान की शुरुआत 3 अक्टूबर को करेगी। पाकिस्तान, श्रीलंका और बांगलादेश जीती टीमों के सामने भारत को दोनों ही कैटेगरी में गोल्ड की उम्मीद है।

कितने मेडल की उम्मीद- 2 गोल्ड

4. बॉक्सिंग

विमेस में 6 और मेस मेडल कबड्डी टीम पूरी दुनिया में सबसे बेस्ट है। एशियाड में पुरुष टीम ने 8 में से 7 गोल्ड मेडल जीते हैं, वहीं पिछली बार ही टीम को ब्रॉन्ज से संतुष्ट करना पड़ा था। विमेस टीम के नाम भी 3 में से 2 गोल्ड हैं, पिछले सीनी टीम ने देश को 2 गोल्ड दिलाए थे। कितने मेडल की उम्मीद- 2 गोल्ड

5. रेसिलिंग

विमेस में 6 और मेस कैटेगरी में भारत ने 12 रेसलस को मैदान में उतारा है। दीपक पूर्णिया, बजरंग पूर्णिया और अंतर्राष्ट्रीय में भारत को उम्मीदें हैं। वहीं वाकी सेसलर्स भी सिल्वर या ब्रॉन्ज जीतने के दोबारा माने जा रहे हैं। पिछली बार बजरंग और विनेश ने देश को 2 गोल्ड दिलाए थे। इस इंवेट में देश ने अब तक 11 गोल्ड, 14 सिल्वर और 34 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं।

कितने मेडल की उम्मीद- 2 से 4 गोल्ड

6. बॉक्सिंग

वर्ल्ड चैम्पियन निखत जरीन, लवलिना वोरोगोहेन और शिवा थापा जीसे प्लेयर्स इस बार टीमें बेहतर तैयारी के साथ गोल्ड मेडल जीतने की दोबारा हैं।

कितने मेडल की उम्मीद- 2 से 4 गोल्ड

7. शूटिंग

33 प्लेयर्स इस बार शूटिंग में देश को प्रतीक्षित करेंगे। पिछले

सीनी टीम भारत 12 से ज्यादा मेडल

और 3 ब्रॉन्ज जीते हैं। इस बार मनु

भारत, मेहुली थोप, एशवर्य प्रताप

सिंह और सरबजीत सिंह जीतने की उम्मीद है।

एशियान गेम्स के बैडमिंटन ने भारत ने आज तक एक सिल्वर और दो गोल्ड जीते हैं।

कितने मेडल की उम्मीद- 2 से 2 गोल्ड

8. बैडमिंटन

सातविक सारदाज और चिराग

रैकेटर्सी की जोड़ी और लक्ष्य सेन

जैसे प्लेयर्स ने पिछले कुछ समय में

अच्छा प्रदर्शन कर भारत को मेडल

उम्मीदें बढ़ाई हैं। पीढ़ी सिंधु

एचएस प्रणय, किंवदंतीकांत जैसे

प्लेयर्स से भी मेडल की उम्मीद हैं।

एशियान गेम्स के बैडमिंटन ने भारत

गेम्स में जरूर देश को गोल्ड दिला

सकते हैं। शांत पुट, हाइ जम्प, रेस

वॉक, हेप्टार्नलन, हैमर थ्रो और

ट्रॉल वॉल इंवेट दोनों भी भारत को उम्मीद हैं।

एशियान गेम्स के ट्रॉल एक टॉप

प्लेयर्स में डिफेंडिंग चैम्पियन

9. टेनिस



पीटी उषा ने कहा

"भारत एशियन गेम्स में अपनी परफॉर्मेंस सुधारेगा। इस बार क्रिकेट से भी उम्मीदें।"

रोहन बोपन्ना, सुमित नागल, अंकित रैना और यूकी भांवरी जैसे खिलाड़ी इस बार टैनिस में भारत को मेडल दिला सकते हैं। पिछले

दिसंक्स क्लब की उम्मीदें हैं। इस बार खिलाड़ी और ट्रॉन्ज़ से भी गोल्ड हो सकते हैं।

तक 9 गोल्ड, 6 सिल्वर और 17

ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं।

कितने मेडल की उम्मीद- 2 गोल्ड

10. आर्चरी

मेस कंपांड टीम ने वर्ल्ड चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल की हैंटिंग कर रही है। जोस देवताले और अदिति स्वामी में जिसन जानसन भारत ने 11 मेडल जीते हैं।

स्नूकर, घुड़सवारी, गोल्फ, बोर्ड

गेम और वॉटर स्पोर्ट्स में एशियन

लॉकल एवं विनाशील खेलों में भारत की उम्मीदें हैं।

स्नूकर और घुड़सवारी में भारत की उम्मीदें हैं।

स्नूकर और घुड़सवारी की जीत से भारत का अब तक का अंतर 9 हो जाता है।

स्नूकर और घुड़सवारी में भारत की उम्मीदें हैं।

स्नूकर और घुड़सवारी में भ

